(प्रश्न- पत्र की रूपरेखा) (2024-25)
विषय : संस्कृत
कक्षा : दसवीं

समय : 3 घण्टे

अंक = 80
आन्तरिक मूल्यांकन = 20
कुल अंक = 100

- **प्रश्नपत्र में कुल 8 प्रश्न होंगे।**
- **प्रश्न पत्र में दो भाग (क तथा ख) होंगे ।**
- **अति लघूत्तर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) प्रश्न-पत्र के भाग क में कुल एक-एक अंक के 30 प्रश्न होंगे।**
- **सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य होंगे ।**

1	**भाग - क** **अति लघूत्तर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)** प्रश्न एक में मिलान से संबंधित अथवा हाँ/नहीं अथवा सही/गलत अथवा बहुवैकल्पिक उत्तरों वाले, किसी भी प्रकार के **प्रश्न** पूछे जा सकते हैं । (i) पाठ्यक्रम में दी गई सन्धियों में से सात शब्द सन्धि / सन्धि विच्छेद के लिए दिये जाऐं । जिनमें से किन्हीं पाँच शब्दों के उत्तर लिखने को कहा जाए । (ii) पाठ्यक्रम में दी गई उपसर्ग में से सात उपसर्ग देकर पाँच की धातु अलग करने के लिए कहा जाए । (iii) निर्धारित धातुओं के साथ प्रत्यय लगाने के लिए सात धातुएं तथा प्रत्यय दिए जाएं, जिनमे से पाँच धातुओं के साथ प्रत्यय लगाने को कहा जाए । अथवा पाठ्य पुस्तक के अभ्यासों में आए अव्ययों में से सात अव्यय देकर पाँच को वाक्यों में प्रयोग करने के लिए कहा जाए । (iv) पाठ्यक्रम में दिए गये संज्ञा शब्द रूपों में **अथवा** हलन्त् और सर्वनाम शब्द रुपों में से सात शब्दरूपों में से प्रश्न पूछे जायें जिनमें से केवल पाँच शब्दों के उत्तर लिखने को कहा जाए । (v) पाठ्यक्रम में दिए गये धातु रूपों में से संबंधित सात धातुरूपों में प्रश्न पूछे जायें जिनमें से केवल पाँच का उत्तर लिखने को कहा जाए । (vi) पाठों के अभ्यासों में से सात संस्कृत शब्द दिए जाएं जिनमें से पाँच शब्दों का हिन्दी में अर्थ लिखने को कहा जाए ।	5x1=5 5x1=5 5x1=5 5x1=5 5x1=5 5x1=5

	भाग –ख	
2	तीन गद्यांश दिए जाएं जिनमें से दो का अनुवाद हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में करने को कहा जाए ।	2x5=10
3	तीन पद्य दिए जाएं जिनमें से दो का प्रसंग सहित अर्थ हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में लिखने को कहा जाए।एक अंक प्रसंग का चार अंक अर्थ के निर्धारित है ।	2x5=10
4	पाठों के अभ्यासों में से छ:प्रश्न हिन्दी में पूछे जाएं , जिनमें से चार का उत्तर हिन्दी में लिखने को कहा जाए ।	4x2=8
5	संस्कृत में छ: प्रश्न दिए जाएं । जिनमें से चार का उत्तर संस्कृत में लिखने को कहा जाए ।	4x2=8
6	उपपद सम्बन्धी अशुद्धि वाले सात वाक्य दिये जाएं जिनमें से पाँच वाक्यों को शुद्ध करने को कहा जाये । **अथवा** शब्द रूप तथा धातु रूप पर आधारित रिक्त स्थानों की पूर्ति । पुस्तक के अभ्यासों में से सात वाक्य दिए जाए जिनमें से पाँच करने को कहा जाए ।	5x1=5
7	पाठ्य पुस्तक में से कोई एक गद्यांश देकर उसी मे से संस्कृत में दो सरल प्रश्नोत्तर पूछे जाएं ।	2x2=4
8	पाठ्यक्रम में निश्चित् तीन निबंध देकर किसी एक विषय पर संस्कृत में लगभग 80 शब्दों में निबंध लिखने को कहा जाए । **अथवा** हिन्दी के 8 वाक्य दिए जाएं जिनमें से पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करने को कहा जाए ।	5x1=5

वार्षिक परीक्षा प्रणाली
मॉडल टेस्ट पेपर (2024-25)
विषय : संस्कृत
कक्षा : दसवीं

समय : 3 घण्टे

अंक = 80
आन्तरिक मूल्यांकन = 20
कुल अंक = 100

- **प्रश्नपत्र में कुल 8 प्रश्न होंगे।**
- **प्रश्न पत्र में दो भाग (क, ख) होंगे ।**
- **अति लघूत्तर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) प्रश्न-पत्र के भाग क में कुल एक-एक अंक के 30 प्रश्न होंगे।**
- **सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य होंगे ।**

भाग क

I

अति लघूत्तर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

(I) किन्हीं पाँच का सही सन्धि विच्छेद चुने:

(i) 'रामो हसति' शब्द में कौन सा सन्धि विच्छेद सही है ?

1. रामो+हसति 2 रामस्+हसति 3 राम:+हसति 4 इनमें कोई नहीं ।

(ii) 'कस्सेवते' शब्द में कौन सा सन्धि विच्छेद सही है ?

1.क:+ सेवते 2 क+सेवते 3 कस्+सेवते 4 इनमें कोई नहीं ।

(iii) 'एकश्शिशु:' शब्द में कौन सा सन्धि विच्छेद सही है ?

1 एक + शिशु: 2 एक: +शिशु: 3 एकश् +शिशु: 4 इनमें कोई नहीं ।

(iv) 'कोऽपि' शब्द में कौन सा सन्धि विच्छेद सही है ?

1 क+अपि 2 को+अपि 3 क:+अपि 4 इनमें कोई नहीं ।

(v) **'शिष्यो नमति' शब्द में कौन सा सन्धि विच्छेद सही है ?**

1 **शिष्यो** + नमति 2 **शिष्य:** + नमति 3 **शिष्य** + नमति 4 इनमें कोई नहीं ।

(vi) 'कृष्णस्सर्प:' शब्द में कौन सा सन्धि विच्छेद सही है ?

1 कृष्ण + सर्प: 2 कृष्णस् +सर्प: 3 कृष्ण: +सर्प: 4 इनमें कोई नहीं । 5x1=5

(vii) 'नरस्तरति' शब्द में कौन सा सन्धि विच्छेद सही है ?

1. नर:+तरति 2 नरस्+तरति 3 नरो+तरति 4 इनमें कोई नहीं ।

(II) किन्हीं पाँच के धातु और उपसर्ग अलग अलग करें : 5x1=5

अपवदति ,अपनयति , अवगच्छति , उपविशति, उपतिष्ठति, अवरोहति, विकसति।

(III) निम्नलिखित धातुओं में से किन्हीं पाँच में यथानिर्दिष्ट सही प्रत्यय चुने :

(i) 'पानीय' धातु रूप में कौन सा कृदन्त प्रत्यय लगा हुआ है? चुने:

1- तव्यत् 2 - अनीयर् 3 - तुमुन् 4 - क्त

(ii) 'गन्तुम्' धातुरूप में कौन सा कृदन्त प्रत्यय लगा हुआ है ? चुने:

1 - क्त्वा 2 -अनीयर् 3 - तुमुन् 4 - तव्यत्

(iii) 'गत' रुप में कौन सा कृदन्त प्रत्यय लगा हुआ है? चुने:

1 – तव्यत् 2 – अनीयर् 3 – तुमुन् 4 - क्त

(iv) 'पठितव्य' धातुरूप में कौन सा कृदन्त प्रत्यय लगा हुआ है ? चुने:

1 – क्त्वा 2 –अनीयर् 3 – तुमुन् 4 – तव्यत्

(v) 'भक्षयितुम्' रुप में कौन सा कृदन्त प्रत्यय लगा हुआ है? चुने:

1 – क्त्वा 2 – अनीयर् 3 – तुमुन् 4 – तव्यत्

(vi) 'पठनीय' धातुरूप में कौन सा कृदन्त प्रत्यय लगा हुआ है ? चुने:

1 – तव्यत् 2 –अनीयर् 3 – तुमुन् 4 – क्त

(vii) 'नीत्वा' रुप में कौन सा कृदन्त प्रत्यय लगा हुआ है? चुने:

1 – क्त्वा 2 –अनीयर् 3 – तुमुन् 4 – तव्यत्

अथवा

किन्हीं पाँच अव्ययों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग करें : 5x1=5

सदा, अतीव, कुत:, सहसा , शीघ्रम्, अद्यत्वे, अत: ।

(IV) निम्नलिखित विभक्तियों में उचित वचन लगाकर विभक्ति को पूर्ण करे:- (कोई पाँच)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
(i)	रीति:	रीती	.....
(ii)	मतये	मतिभ्याम्	.....
(iii)	गुरो:	गुर्वो:	.....
(iv)	भानु:	.....	भानव:
(v)	वारि	वारिणी	.....
(vi)	मधु	मधुनी	.....
(vii)	.....	भानू	भानून्

5x1=5

(V) निम्नलिखित धातुओं में उचित वचन लगाकर पुरुष को पूर्ण करे:-(कोई पाँच)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
(i)	दीव्यामि	.....	दीव्याम:
(ii)	क्षालयतु	क्षालयताम्	.....
(iii)	.....	भक्षयेताम्	भक्षयेयु:
(iv)	अकथयत्	अकथयताम्	.....
(v)	अभ्राम्य:	अभ्राम्यतम्	.....
(vi)	भक्षयिष्यसि	.....	भक्षयिष्यथ
(vii)	चोरयामि	.....	चोरयाम:

5x1=5

(VI) संस्कृत शब्दों का हिन्दी शब्दों के साथ सही मिलान करें ।(किन्हीं पाँच का)

क	ख
(क) सुमन:	घूमता है।
(ख) भ्रमति	दुष्ट
(ग) गिरा	फूल
(घ) वित्तस्य	कान्ति
(ड) खल:	धन को
(च) रुचि:	सूर्य
(छ) मिहिर:	पर्वत

5x1=5

भाग – ख

II **निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी दो गद्यांश का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अनुवाद करें :**

(क) सूर्य: उज्वल: अग्निपिण्ड: सर्वेभ्य: प्रकाशं तापं ऊर्जां च यच्छति । पृथिव्या: य: भाग: यदा सूर्यम् अभित: भवति तदा तत्र सूर्यस्य प्रकाश: पतति, तेन हि दिनं भवति । अपरस्मिन् च पृष्ठे भागे अन्धकारेण रात्रि: भवति । पृथिव्या: स्वे अक्षे भ्रमणेन पृथिव्या: सर्वे भागा: पर्यायेण सूर्यम् अभित: आगच्छन्ति । इत्थं सर्वत्र पर्यायेण दिनं रात्रि: वा , प्रात: सायं वा इति काल-विभागा: भवन्ति ।

(ख) अथ स श्रेष्ठी तम् अपृच्छत् – "भो: अभ्यागत, कथय कुत्र स मम दारक: , य: त्वया सह नदीं गत: ?" जीर्णधन: अवदत् –" नदी- तटात् स श्येनेन अपहृत: ।" श्रेष्ठी अकथयत् –" भो: मिथ्यावादिन् , किं क्वचित् श्येन: बालं हर्तुं शक्नोति ? तत् समर्पय मम सुतम्। अन्यथा राजपुरुषाय निवेदयिष्यामि।" जीर्णधन: आह –"भो: सत्यवादिन् , यथा श्येन: बालं न अपहरति तथा मूषिका: अपि लोह-घटितां तुलां न भक्षयन्ति । तत् अर्पय मे तुलां , यदि तव दारकेण प्रयोजनम् ।"

(ग) पंचापस्य वीरप्रसूभूमौ महाराज्ञो रणजीतसिंहस्य नाम ' शेर-ए-पंजाब' रूपेण जना: सादरं स्मरन्ति । तस्य जन्म ख्रिष्टाब्दस्य 1780 तमे वर्षे 'सुकरचकिया' मिसलस्य सरदारस्य महासिंहस्य गृहे अभवत् । तस्य मातु: नाम राजकौर: आसीत् । सा तस्य नाम बुधसिंह: इति अकरोत् । महासिंह: रणक्षेत्रे तस्य जन्मन: सूचनां प्राप्तवान् । तत्र विजयं प्राप्य स: तस्य नाम 'रणजीतसिंह:' इति अकरोत् । 2x5=10

III **निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं दो का प्रसंग सहित अर्थ हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में लिखें :**

(क) विकसति कमलं विलसति सलिलं, पवनो वहति सलीलम् ।
दिशि-दिशि धावति कूजति नृत्यति खग-कुलमतिशय लोलम् ॥

(ख) काव्यशास्त्र विनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ॥

(ग) नास्ति विद्या-समो बन्धु, न च सत्य-सम: सखा ।
नास्ति रोग- समं दुखं न च त्याग-समं सुखम् ॥ 2x5=10

IV **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर अपनी पाठ्य पुस्तक के आधार पर हिन्दी में करें।**

(i) सच्चा मित्र कौन होता है ?
(ii) भ्रमण और परिभ्रमण में क्या अन्तर है ? दृष्टान्त से स्पष्ट करें ।
(iii) बुद्धि के विकास के लिए क्या करना चाहिए ?
(iv) वेद कितने हैं ? उनके नाम लिखो ।
(v) जीर्णधन दूसरे देश में किस लिए गया ?
(vi) संस्कृत के किन्हीं चार कवियों अथवा नाटककारों के नाम लिखो ? 4x2=8

V **निम्नलिखित संस्कृत प्रश्नों में से किन्हीं चार उत्तर संस्कृत में करें ।**

(i) संस्कृत-भाषा कीदृशी अस्ति ?
(ii) पृथ्वी कं परित: परिभ्रमति ?
(iii) जीर्णधन: क: आसीत् ?
(iv) खगकुलं कुत्र नृत्यति ?
(v) महाराजा रणजीतसिंह: कै: महाराजा पदेन विभूषित: ?
(vi) क: प्रदेश: पृथिव्यां स्वर्गखण्ड: इव स्थित:? 4x2=8

VI **किन्हीं पाँच वाक्यों में उचित विभक्ति लगाकर शुद्ध करें :**

(i) ग्रामस्य / ग्रामं परित: वृक्षा: सन्ति ।

(ii) अलं विषादात् / विषादेन ।

(iii) ग्रामं / ग्रामस्य अभित: नदी वहति ।

(iv) पिता पुत्राय / पुत्रे स्निह्यति ।

(v) स व्याकरणे / व्याकरणं कुशल: ।

(vi) विद्यालयं / विद्यालयस्य उभयत: जलं वर्तते ।

(vii) देवाय / देवं नम: ।

अथवा

किन्हीं पाँच वाक्यों में उचित शब्द चुनकर रिक्त - स्थानों की पूर्ति करें:

(i) मिहिर: .....। (प्रचरति , उदयति)

(ii) नैनं ..... पावक:। (वहति, दहति)

(iii) प्रात: सूर्य: ..... दिग्विभागे उदेति । (पूर्वे , पश्चिमे)

(iv) .....गतयो भवन्ति वित्तस्य । (तिस्र:, षड्)

(v) विद्या ददाति . . ...। (विनयम् , शौर्यम्)

(vi) वस्तुत: यानम् एव धावति न ..... । (वृक्षा:, राजमार्गा:)

(vii) नौकागृहे ..... कृतवन्त: । (निवासं, विश्रामं)

5x1=5

VII **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखें।**

इयं भाषा सरला सुबोधा च अस्ति । अस्यां भाषायां वाक्य- विन्यासस्य नियमा: विशेषेण सरला: सन्ति । शनै:-शनै: नियमपूर्वकम् अभ्यासं कृत्वा बालक: अस्यां भाषायां प्रवीणतां प्राप्तुं शक्नोति। शब्दानां विशाल: भण्डार: अस्या: भाषाया: अनन्या विशेषता अस्ति । अस्यां भाषायां शब्द- निर्माणस्य अद्भुता शक्ति: अस्ति। अद्यापि इयं भाषा पारिभाषिकाणां शब्दानां निर्माणे सहायतां करोति । प्रादेशिकीनां भाषाणां विकासाय समृद्धये च अस्या: भाषाया: महतीम् आवश्यकतां सर्वे अपि स्वीकुर्वन्ति ।

प्रश्न: (i) संस्कृत-भाषा कीदृशी अस्ति ?

(ii) अस्यां भाषायां शब्द- निर्माणस्य का शक्ति: अस्ति ?

2 x2=4

VIII **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80 शब्दों में संस्कृत में निबन्ध लिखें :**

(i) मम अध्यापक: ।

(ii) मम प्रियं मित्रम् ।

(iii) अस्माकं विद्यालय: ।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें :

(i) यहाँ कौन आ रहा है ।

(ii) कमल जल में पैदा होता है ।

(iii) गुरू को पूछ कर बाहर जाओ ।

(iv) मैं दान देना चाहता हूँ ।

(v) ये धुले हुए कपड़े किसके हैं ।

(vi) गाँव के चारों ओर वृक्ष हैं ।

(vii) मेहनत बिना विद्या नहीं ।

(viii) संस्कृत भाषा सरल है ।

5x1=5